

दर्शनशास्त्र विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
के अन्तर्गत संचालित
योग अध्ययन एवं अभ्यास केन्द्र
के

पी0जी0 डिप्लोमा इन योग के वार्षिक पाठ्यक्रम को सेमेस्टर प्रणाली CBCS में संशोधित/परिवर्तित करने हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम

दर्शनशास्त्र विभाग, दी0 द0 उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, के दर्शनशास्त्र विभाग के अन्तर्गत संचालित योग अध्ययन एवं अभ्यास केन्द्र के अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रम पी0जी0 डिप्लोमा इन योग (वार्षिक) पाठ्यक्रम को सेमेस्टर प्रणाली CBCS में संशोधित/परिवर्तित करने हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Syllabus) का विवरण निम्नवत् हैं :

पाठ्यक्रम का नाम: पी0जी0 डिप्लोमा इन योग

विभाग का नाम: दर्शनशास्त्र विभाग

अवधि: एक वर्ष (2 सेमेस्टर प्रत्येक 6 माह)

स्थान: (seats) : 60 (पूर्व निर्धारित लागू)

योग्यता: स्नातक या समकक्ष, न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले

उपस्थित: विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार 75 प्रतिशत उपस्थिति

शिक्षण शुल्क : 7700/- प्रति सेमेस्टर दोनो सेमेस्टर 15400/-

परीक्षा शुल्क : 1000/- प्रति सेमेस्टर

(Signature)
07/10/2020

08/10/20

07-10-2020

पाठ्यक्रम (Syllabus)

सेमेस्टर प्रथम

कोड	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	अंक लिखित/आन्तरिक मूल्यांकन		कुल अंक
PGDY 101	योग के मूलभूत सिद्धान्त	5	70	30	100
PGDY 102	योग के आधार ग्रन्थ	5	70	30	100
PGDY 103	योग एवं दर्शन शास्त्र	5	70	30	100
PGDY 104	आधुनिक योगी	5	70	30	100
	प्रायोगिक एवं मौखिकी	5	प्रायोगिक 60 अंक क्रेडिट 03	60+40	100
			मौखिकी 40 अंक क्रेडिट 02		

नोट :

प्रत्येक प्रश्नपत्र 5 क्रेडिट का होगा। इस प्रकार प्रत्येक सेमेस्टर में कुल क्रेडिट 25 होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंको का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा एवं 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन के लिए होगा।

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. एक सेमिनार – 10 अंक
 2. एक परीक्षा – 10 अंक
 3. उपस्थिति एवं Overall Performance – 10 अंक
- CBCS परीक्षा के अन्य नियम भी इस कोर्स में लागू होंगे।

07/10/2020

07-10-2020

07/10/2020

पाठ्यक्रम (Syllabus)

द्वितीय सेमेस्टर

कोड	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	अंक		कुल अंक
			लिखित/आन्तरिक	मूल्यांकन	
PGDY 105	योग एवं स्वास्थ्य	5	70	30	100
PGDY 106	शरीर -विज्ञान (Anatomy)	5	70	30	100
PGDY 107	योगाभ्यास-1 (सिद्धान्त)	5	70	30	100
PGDY 108	योगाभ्यास-2 (सिद्धान्त)	5	70	30	100
	प्रायोगिक एवं मौखिकी	5	प्रायोगिक 60 अंक क्रेडिट 03	60+40	100
			मौखिकी 40 अंक क्रेडिट 02		

नोट :

प्रत्येक प्रश्नपत्र 5 क्रेडिट का होगा। इस प्रकार प्रत्येक सेमेस्टर में कुल क्रेडिट 25 होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंको का होगा जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा एवं 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन के लिए होगा।

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. एक सेमिनार - 10 अंक
2. एक परीक्षा - 10 अंक
3. उपस्थिति एवं Overall Performance - 10 अंक

CBCS परीक्षा के अन्य नियम भी इस कोर्स में लागू होंगे।

07/10/2020

07-10-2020

07/10/2020

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

योग के मूलभूत सिद्धान्त

क्रेडिट-5

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को योग के मूल तत्वों की शिक्षा प्रदान करना है। इससे कोई भी व्यक्ति शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक सन्तुलन और आध्यात्मिक लक्ष्य का ज्ञान प्राप्त कर सकता है और उन्हें अपने जीवन में उतार कर जीवन के सच्चे उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है।

कोड	प्रश्न पत्र का नाम	इकाई (Units)	विस्तृत पाठ्यक्रम	अंक		कुल अंक
				लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन	
PGDY 101	योग के मूलभूत सिद्धान्त	प्रथम	योग की अवधारणा, अर्थ, परिभाषाएँ एवं स्वरूप	14	30	100
		द्वितीय	योग की ऐतिहासिक परम्परा	14		
		तृतीय	योग के प्रकार: कर्मयोग ज्ञानयोग, भक्तियोग, राजयोग, हठयोग: गोरक्षनाथ, मंत्रयोग, कुण्डलिनीयोग, क्रियायोग: श्यामाचरण लाहिड़ी एवं परमहंस योगानन्द, श्री अरविन्द: समग्र योग।	14		
		चतुर्थ	योग की विभूतियाँ : योग के अधिकारी, उपलब्धियाँ, प्राप्त विभूतियाँ उनके लक्षण, अवस्थाएँ।	14		
		पंचम	गुरु तत्व			
				70	30	100

661121/20

07-10-2020

(Signature)
07/10/2020

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. A critical Survey of Indian Philosophy : chandradhar Sharma, Motilal Banarsidas Publication, New Delhi.
2. योग दर्शन : डॉ० सम्पूर्णानन्द : हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश।
3. Autobiography of a yogi : Paramahansa Yoganand,
(हिन्दी में योगी कथामृत) : योगदा सत्संग सोसाइटी आफ इंडिया, राँची।
4. हठयोग : स्वरूप एवं साधना : योगी आदित्य नाथ, गोरखनाथ मंदिर ट्रस्ट
गोरखपुर।
5. हठयोग प्रदीपिका।
6. गोरक्ष संहिता।

D. K. S.

07-10-2020

D. K. S.
07/10/2020

द्वितीय प्रश्न पत्र

योग के आधार ग्रंथ

क्रेडिट-5

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को योग के आधार भूत ग्रन्थों यथा उपनिषद, श्रीमद् भगवद्गीता, पातंजलि योग-सूत्र, हठयोग प्रदीपिका, गोरक्ष संहिता घेरण्ड संहिता का अध्ययन करना एवं अपने सर्वांगीण विकास के लिए उक्त ग्रन्थों में निहित श्रेष्ठ तत्वों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करना जिससे वे अपने जीवन को सार्थक बना सकें।

कोड	प्रश्नपत्र का नाम	इकाई (Units)	विस्तृत पाठ्यक्रम	अंक		कुल अंक
				लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन	
PGDY 102	योग के आधार ग्रंथ	प्रथम	उपनिषद	70	30	100
		द्वितीय	श्रीमद्भगवद्गीता	14		
		तृतीय	पातंजलि योग-सूत्र	14		
		चतुर्थ	हठयोग प्रदीपिका	14		
		पंचम	घेरण्ड संहिता	14		
				70	30	100

संदर्भ ग्रन्थ :

1. उपनिषद, गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. पातंजलि योगसूत्र, गीता प्रेस, गोरखपुर।
3. श्रीमद् भगवद्गीता, गीता प्रेस, गोरखपुर।
4. ईश्वर अर्जुन संवाद श्रीमद् भगवद्गीता : परमहंस योगानन्द, योगदा सत्संग सोसाइटी, राँची।
5. हठयोग प्रदीपिका।
6. गोरक्ष संहिता, गोरखनाथ मंदिर ट्रस्ट, गोरखपुर।
7. घेरण्ड संहिता।

07/10/2020

07-10-2020

07/10/2020

तृतीय प्रश्न पत्र

योग एवं दर्शनशास्त्र

क्रेडिट-5

उद्देश्य : सांख्य एवं योग में घनिष्ठ सम्बन्ध है योग तथा सांख्य में बहुत अधिक साम्य है। सांख्य के विद्वान्तों का व्यावहारिक जीवन में प्रयोग ही योग हैं। योग सांख्य के प्रमाणों और तत्वों को मानता है। योग सांख्य के 25 तत्वों के साथ-साथ ईश्वर को भी मानता है। अतः इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य योग के दार्शनिक आधार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त करना है जो योग को सम्पूर्णता में जानने के लिए नितान्त आवश्यक है।

कोड	प्रश्नपत्र का नाम	इकाई (Units)	विस्तृत पाठ्यक्रम	अंक		कुल अंक
				लिखित 70	आन्तरिक मूल्यांकन 30	
PGDY103	योग एवं दर्शनशास्त्र	प्रथम	योग सिद्धान्त, ईश्वर, प्रकृति, पुरुष जीवात्मा	14		100
		द्वितीय	सृष्टि प्रक्रिया	14		
		तृतीय	पंचक्लेश	14		
		चतुर्थ	चित्त की वृत्तियाँ	14		
		पंचम	अभ्यास एवं वैराग्य	14		
				70	30	100

संदर्भ ग्रन्थ :

1. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् : भारतीय दर्शन vol. I & II राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली।
2. S.N. Dasgupta : The Study of Patanjala yoga as Philosophy and Religion (Kegan Paul)
3. N.K. Brahma : The Philosophy of Hindu Sadhna (Kegan Paul)
4. चन्द्रधर शर्मा : भारतीय दर्शन, मोतीलाल बनारसीदास नई दिल्ली।
5. आचार्य बलदेव उपाध्याय : भारतीय दर्शन

6/11/2020

07-10-2020

07/10/2020

चतुर्थ प्रश्नपत्र

आधुनिक योगी

क्रेडिट-5

उद्देश्य : इन महान योग गुरुओं ने न सिर्फ भारत में बल्कि सम्पूर्ण विश्व में योग-विज्ञान के प्रचार-प्रसार में अहम योगदान दिया है। इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य आधुनिक भारत के इन महान योगियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

कोड	प्रश्नपत्र का नाम	इकाई (Units)	विस्तृत पाठ्यक्रम	अंक		कुल अंक
				लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन	
PGDY104	आधुनिक योगी	प्रथम	स्वामी विवेकानंद	70	30	100
		द्वितीय	श्री अरविन्द	14	14	
		तृतीय	श्यामाचरण लाहिडी- परमहंस योगानन्द	14	14	
		चतुर्थ	स्वामी शिवानन्द	14	14	
		पंचम	महेश योगी एवं ओशो (रजनीश)	14	14	
				70	30	100

संदर्भ ग्रन्थ :

1. स्वामी विवेकानन्द : एक जीवनी : स्वामी निखिलानंद रामकृष्ण मठ, धन्तोली, नागपुर।
2. स्वामी विवेकानंद : आत्मनुभूति तथा उसके मार्ग, रामकृष्ण मठ, धन्तोली नागपुर।
3. Sri Aurobindo : the Synthesis of yoga , Sri Aurobindo Ashram, Pandichery.
4. एस.के. मैत्र : श्री अरविन्द दर्शन की भूमिका, श्री मीरा ट्रस्ट पांडिचेरी।
5. परमहंस योगानन्द : योगी कथामृत अंग्रेजी में Autobiography of a yogi, योगादा सत्संग सोसाइटी, राँची।
6. परमहंस योगानन्द : धर्म विज्ञान योगदा.....
7. Para,ahansa yoganand : Man's Eternal oust yogada Satsanga Society of India Ranchi.
8. Paramahansa yoganand % Journey to self-realization' YSS Ranchi.
9. स्वामी शिवानन्द : ध्यानयोग, दि डिवाइन लाइफ सोसाइटी प्रकाशन, जिला टिहरी गढ़वाल।
10. Maharishi Mahesh yogi : Transcendental Meditation maharishi International Univaesity press, Faorfield IOWA, USA.


07-10-2020

07/10/2020

पंचम प्रश्नपत्र
प्रायोगिक एवं मौखिकी

प्रायोगिक एवं मौखिकी	60 अंक	क्रेडिट 03
	40 अंक	क्रेडिट 02
		(क्रेडिट : 05)

बडावाडा
02-10-2020


07/10/2020

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

योग एवं स्वास्थ्य

क्रेडिट-5

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य सामुदायिक स्वास्थ्य एवं योग के सम्बन्धों को समझना एवं शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के सदंर्भ में योग की भूमिका का अध्ययन करना है।

कोड	प्रश्नपत्र का नाम	इकाई (Units)	विस्तृत पाठ्यक्रम	अंक		कुल अंक
				लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन	
PGDY105	योग एवं स्वास्थ्य	प्रथम	जीवन में योग का महत्व, योग एवं व्यायाम में अन्तर	70	30	100
		द्वितीय	स्वास्थ्य के सिद्धान्त : स्वास्थ्य की अवधारणा, स्वास्थ्य के अवयव-शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य शिक्षा	14		
		तृतीय	स्वास्थ्य एवं रोग की योगिक अवधारणा: आधि एवं व्याधि की अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषा, शारीरिक अनियमितताएँ एवं रोग, प्राकृतिक उपचार की अवधारणा, सिद्धान्त एवं प्रकार।	14		
		चतुर्थ	मन-शरीर एवं आध्यात्मिक विकास के लिए योग, तनाव प्रबन्धन में योग का महत्व	14		
		पंचम	संयमित जीवन शैली एवं योगिक आहार: आहार, मिताहार, पथ्य एवं अपथ्य की अवधारणा, पारम्परिक योग ग्रन्थों के अनुसार योगिक आहार, शरीर की संरचना (प्रकृति) के अनुसार आहार। गुण के रूप में वात, पित्त और कफ	14		
				70	30	100

सावाक्ष
07-10-2020

07/10/2020

संदर्भ ग्रन्थ :

1. Nagrathan R, Nagendra, HR, and Monroe, R : Yoga for Common Ailments, Gaia Books Ltd, London
2. Yoga for different ailments Series published by svyasa , Bangalore and Bihar Yoga Bharati
3. Mishra, P D: Yoga and Mental Health
4. यादव अमरजीत एवं एस-तातेर: योग एवं समग्र स्वास्थ्य ।

07/10/2020

07-10-2020

07/10/2020

द्वितीय प्रश्न पत्र

शरीर विज्ञान (Anatomy Physiology)

क्रेडिट-5

उद्देश्य : योग के मूल तत्वों को शरीर रचना एवं शरीर विज्ञान के आधार पर समझना एवं योग के प्रभावों को शरीर रचना के आधार पर समझना।

कोड	प्रश्नपत्र का नाम	इकाई (Units)	विस्तृत पाठ्यक्रम	अंक		कुल अंक
				लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन	
PGDY106	शरीर विज्ञान	प्रथम	संरचनात्मक संगठन कोशिक संरचना एवं कार्य, ऊतक-विभिन्न प्रकार के उतकों की संरचना एवं कार्य, मांसपेशी तंत्र- पेशी के प्रकार, क्रियाविधि, पेशियों के कार्य का अंतःस्रावीतंत्रिकीय नियंत्रण, अस्थि पंजर जोड़ या संधियाँ	70	30	100
		द्वितीय	न्यूरॉन-संरचना, संरचनात्मक विभेद एवं कार्य, तंत्रिका- आवेग संप्रसारण-न्यूरोट्रांसमीटर, तनाव: भावावेश मस्तिष्क-मस्तिष्क के विभिन्न प्रमुख भागों की संरचना एवं कार्य सुषुम्ना- संरचना एवं महत्वपूर्ण कार्य, प्रतिर्ती सहज किया,	14		
		तृतीय	स्वनियंत्रित तंत्रिका तंत्र-अनुकंपी एवं परानुकंपी प्रभाग-संरचना एवं कार्य: तनाव में स्वनियंत्रित तंत्रिका तंत्र की भूमिका-फाइट और फ्लाइट प्रतिक्रिया, ध्यान और स्वनियंत्रित तंत्रिका तंत्र-प्रभाव एवं प्रभाव की क्रियाविधि: तनावमुक्ति की प्रक्रिया में की भूमिका, अंतःस्रावी ग्रंथियों का संगठन एवं उनके महत्वपूर्ण कार्य, हार्मोन-प्रकार रासायनिक संरचना एवं कार्य के द्वारा हार्मोन के कार्यों का नियमन,	14		
		चतुर्थ	श्वसनतंत्र की मूलभूत संरचना, प्रमुख कार्य, श्वसन प्रक्रिया तथा उर्जा नियोजन में ध्यान का योगदान	14		
		पंचम	पाचनतंत्र की मूलभूत संरचना, प्रमुख कार्य पाचन प्रक्रिया एवं उर्जा नियोजन में ध्यानका योगदान, रक्तपरिवहन तंत्र-रक्त एवं हृदय की संरचना एवं कार्य, रक्तचाप हृदय कार्यों पर ध्यान का प्रभाव।	14		
				70	30	100

07/10/2020

07/10/2020

संदर्भ ग्रन्थ :

1. Bijlani, R.L and Manchanda S.K the Human Machine; National Book trust, New Delhi.
2. Tortora, G.J and Anagnostokas, N.P :Principales of Anatomy and Physiology (VIII ed.) Harper and Row Publishers, New York.
3. वर्मा, प्रमिला एवं पाण्डेय, कान्ति: शरीर क्रिया विज्ञान, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
4. Chaurasia B.D : Human Anatomy
5. Gore,M.M : Anatomy and Physiology of Yogic Exercise.

07/10/2020
07-10-2020

07/10/2020

तृतीय प्रश्नपत्र

आसान, प्राणायाम, मुद्रा, बन्ध

क्रेडिट-5

उद्देश्य : आसन, प्राणायाम आदि का अभ्यास स्वास्थ्य लाभ एवं उपचार के लिए भी होता है। मांसपेशियों में साधारण खिंचाव, आंतरिक अंगों की मालिश एवं सम्पूर्ण स्नायुओं में सुव्यवस्था आने से अभ्यासी के स्वास्थ्य में अद्भुत सुधार होता है। असाध्य रोगों में लाभ एवं उनका पूर्ण रूपेण निराकरण भी योगाभ्यासों के माध्यम से किया जाता है।

कोड	प्रश्नपत्र का नाम	इकाई (Units)	विस्तृत पाठ्यक्रम	अंक		कुल अंक
				लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन	
PGDY107	आसान, प्राणायाम, मुद्रा, बन्ध	प्रथम	प्रारम्भिक तैयारी, सावधानियों, सूर्यनमस्कार के सभी मंत्र, आसन और व्यायाम में अन्तर।	70	30	100
		द्वितीय	आसन की परिभाषा, प्रकार एवं लाभ-	14		
		तृतीय	प्राणायाम : सैद्धान्तिक विवेचन प्राण भेद : पंच प्राण, उपप्राण, प्राणायाम की विभिन्न, शास्त्रों में वर्णित पद्धतियाँ एवं लाभ	14		
		चतुर्थ	बन्ध - मुद्रा एवं चक्र भेदन: विभिन्न योग ग्रन्थों में वर्णित बंध एवं मुद्राओं की विधियाँ एवं उनके लाभ, नाडिया, चक्र, कुण्डलिनी, नाद व स्वरोदय के प्रभाव।	14		
		पंचम	शुद्धि - किया : षट्कर्म, विधि एवं उपयोगिता	14		
				70	30	100

संदर्भ ग्रन्थ :

1. स्वामी सत्यानंद सरस्वती : आसन प्राणायाम, मुद्रा, बन्ध, बिहार, योग विद्यालय, मुंगेर, बिहार।
2. Promotion of Positive Health published by SVYASA, Bangalore.
3. Bandhas & Mudras : Swami geeta nand Anandashram, Pondicherry.
4. Pranayama, published by SVYASA, Bangalore.

07/10/2020

07/10/2020

चतुर्थ प्रश्नपत्र

ध्यानयोग

क्रेडिट-5

उद्देश्य : योग के महत्वपूर्ण अभ्यासों में मुद्राओं एवं बन्धों का अभ्यास महत्वपूर्ण है। कुंडलिनी शक्ति के जागरण में मुद्राओं एवं बन्धों का अभ्यास सहायक हैं। इस अभ्यास के द्वारा व्यक्ति शरीर के विविध अंगों तथा नाडियों को नियंत्रित करने में समर्थ होता है। इन अभ्यासों के परिणाम स्वरूप शारीरिक कार्य एवं स्वास्थ्य में उन्नति होती है। योगाभ्यास के आठ अंगों में ध्यान सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग है। यह योग का सर्वस्व, प्राण एवं आत्मा हैं। ध्यान से कर्मों का क्षय बड़ी तीव्रता से होता है। ध्यान से अध्यात्मिक विकास में अभूतपूर्व प्रगति होती है और साधक आत्म साक्षात्कार करता है।

कोड	प्रश्नपत्र का नाम	इकाई (Units)	विस्तृत पाठ्यक्रम	अंक		कुल अंक
				लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन	
PGDY108	ध्यानयोग	प्रथम	ध्यान : ध्यान सम्बन्धी निर्देश एवं ध्यानाभ्यास के फल ध्यान के अनुभव, समाधि	70	30	100
		द्वितीय	प्रेक्षाध्यान : जैन ध्यानयोग	14		
		तृतीय	विपष्यना : बौद्ध ध्यानयोग	14		
		चतुर्थ	श्यामाचरण लाहिड़ी, परमहंस योगानन्द : किया योगध्यान	14		
		पंचम	महेश योगी : अनुभवातिथ ध्यान	14		
				70	30	100

07-10-2020

07/10/2020

संदर्भ ग्रन्थ :

1. स्वामी सत्यानंद सरस्वती : आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बन्ध, बिहार योग विद्यालय, मुंगेर, बिहार।
2. घेरण्ड संहिता।
3. परमहंस योगानन्द : योगी कथामृत (Autobiography of a yogi), योगदा सत्संग सोसाइटी, रॉची।
4. शिवानंद : ध्यानयोग, द डिवाइन लाइफ सोसाइटी, प्रकाशन, जिला टिहरी गढ़वाल,
5. आचार्य महाप्रज्ञ : प्रेक्षाध्यान : सिद्धान्त और प्रयोग, जैन विश्वभारती, लाडन (राजस्थान)
6. Maharishi Mahesh yogi : Transcendental Meditation, Mharishi Internationl University Press, Fairfield, IOWA, USA
7. सत्य नारायण गोयनका : जीवन जीने की कला विपश्यना ध्यान।

पंचम प्रश्नपत्र
प्रायोगिक एवं मौखिकी

प्रायोगिक	60 अंक	क्रेडिट 03
एवं		
मौखिकी	40 अंक	क्रेडिट 02
		(क्रेडिट : 05)

07-10-2020

07/10/2020